महाकाल तुम्हारे मंदिर पे | By Sanjay Chauhan

महाकाल तुम्हारे मंदिर पे
बादल सा बनके बरसते हैं
ऐसे में तुम्हारे दर्शन को
भक्तों के नैन तरसते हैं
महाकाल तुम्हारे मंदिर पे
बादल सा बनके बरसते हैं

सावन का महीना आया है
बागों में बहारें लाया है
महाकाल तुम्हारे आशीष से
बागों के फूल भी खिलते हैं
महाकाल तुम्हारे मंदिर पे
बादल सा बनके बरसते हैं

सावन में सवारी निकलती है
हर मन को सुहानी लगती है
महाकाल तुम्हारी प्रतिमा पे
जगमग तारे भी चमकते हैं
महाकाल तुम्हारे मंदिर पे
बादल सा बनके बरसते हैं

शिव सावन झूला झूले हैं
भक्तों का मनवा झूमें है
सब ताल से ताल मिलाते हुए
जयकारे तुम्हारे लगाते हैं
महाकाल तुम्हारे मंदिर पे
बादल सा बनके बरसते हैं

रिमझिम बादल जो बरसते हैं
आंगन शिव का धो जाते हैं
बूंदों की धार वो शिवलिंग पर
श्रद्धा से चढ़ाके जाते हैं
महाकाल तुम्हारे मंदिर पे
बादल सा बनके बरसते हैं

महाकाल शरण जो आता है
भाव सागर से तर जाता है
संसर में आकर हर प्राणी
महाकाल से अरज लगाते हैं

महाकाल तुम्हारे मंदिर पे
बादल सा बनके बरसते हैं
ऐसे में तुम्हारे दर्शन को
भक्तों के नैन तरसते हैं
महाकाल तुम्हारे मंदिर पे
बादल सा बनके बरसते हैं

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ae%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%95%e0%a4%be%e0%a4%b2-%e0%a4%a4%e0%a5%81%e0%a4%ae%e0%a5%8d%e0%a4%b9%e0%a4%be%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%ae%e0%a4%82%e0%a4%a6%e0%a4%bf%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a5%87-by-sa/